(वेध गीत:२००२)

जोश, मस्ती अपने अंदर

जोश, मस्ती अपने अंदर,
हम है वोही कलंदर
मेहनत जिनकी मुठ्ठीमें है,
उनका नाम सिकंदर

खुदकी कमाई नही है जिसकी,
उसकी झोली खाली
गर्व नहीं है जिसें देशपर,
उसकी राह निराली
हरीभरी इस धरतीमाँको,
और बनाअे सुंदर ।। १।।

साथ हमारे आओ प्यारे,
देखे नये नजारे
भविष्य नीला आसमान,
हम छोटे बडे सितारे
सर है उँचा,पैर है पक्के,
इस मिट्टीके अंदर ।। २।।

अपना सुख देखें लेकीन,
औरोंके घर भी बसाअे
जाति-धरम के नाम पर,
मानवताको न जलाए
परंपरासे गहरा रिश्ता,
नयी दिशाका आदर ।।३।।